एक भारत
श्रेष्ठ भारत
नाम - प्रियंका कुमारि "ताजमहल"

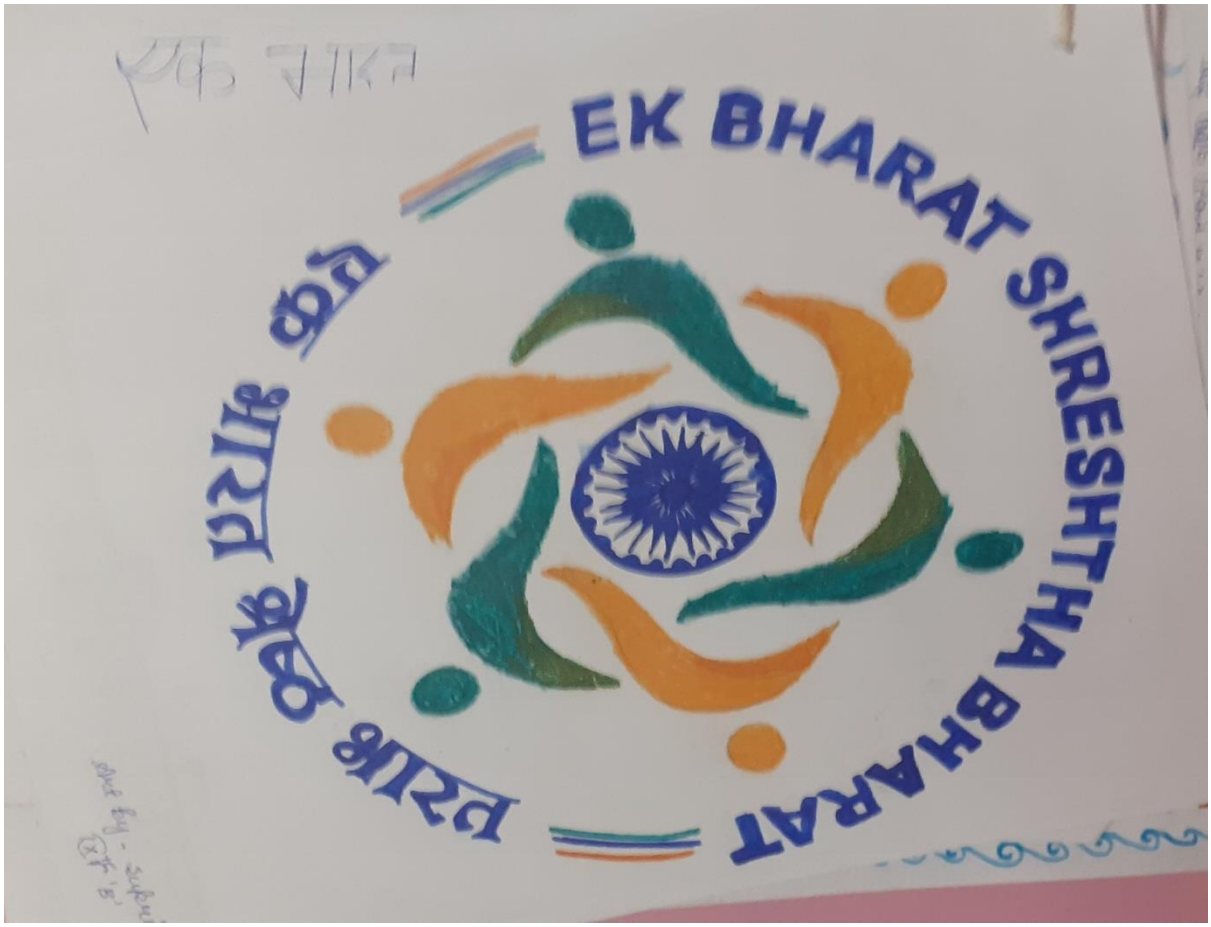
एक भारत
EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT
श्रेष्ठ भारत

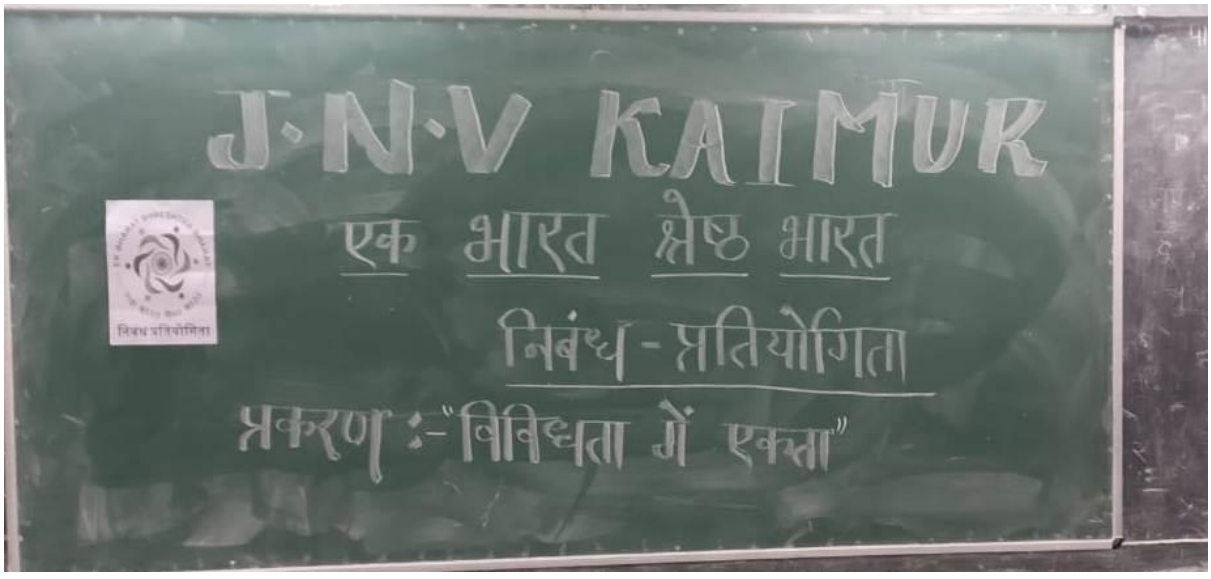
J·N·V KATMUR
एक भारत श्रेष्ठ भारत
निबंध - प्रतियोगिता
प्रकरण :- "विविधता में एकता"

JNV KAIMUR
एक भारत श्रेष्ठ भारत
कला - प्रतियोगिता

उन्होंने भारतीयों से कहा कि एकता और सौम्यता की अपनी शक्ति दिखाएं और फिर परिवर्तन देखें।
भारत अलग-अलग पुरुषों और महिलाओं जातियों और धर्मों का देश है। लेकिन यह एकता का देश है जहां सभी जातियों और पंथों के लोग एक साथ रहते हैं।

भारत में लोग आधुनिक हैं और आधुनिक युग के अनुसार सभी परिवर्तनों का पालन करते हैं लेकिन वे अभी भी अपने पांरपरिक और सांस्कृतिक मूल्यों के संपर्क में हैं। भारत एक आध्यात्मिक में विश्वास करते हैं यहां के लोग योग ध्यान और अन्य आध्यात्मिक गतिविधियों में विश्वास करते हैं। भारत की सामाजिक प्रणाली महान है जहां लोग अभी भी दादा-दादी, चाचा-चाची, चाचा, ताऊ, चचेरे भाई बहन आदि के साथ बड़े संयुक्त परिवार में रहते हैं, इसलिए यहां के लोग जन्म से अपनी संस्कृति और परंपरा के बारे में सीखते हैं।
भारत में संस्कृति सब कुछ है जैसे विरासत में मिले विचार लोगों के रहन-सहन का तरीका, विश्वास, संस्कार मूल्य आदतें देखभाल, सौम्यता ज्ञान आदि। भारत दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यता है जहां लोग अभी भी मानवता की अपनी पुरानी संस्कृति का पालन करते हैं।

12/10/2020

भारत एक संस्कृतिक विविधताओं का देश है।

भारत समृद्ध संस्कृति और विरासत का देश है जहां लोगों में मानवता, सहिष्णुता, एकता धर्मनिरपेक्षता, मजबूत सामाजिक बंधन और अन्य अच्छे गुण हैं। भारतीय हमेशा अपने सौम्य और सौम्य व्यवहार के लिए प्रसिद्ध होते हैं।

भारतीय लोग हमेशा अपने सिद्धांतों और आदर्शों में बदलाव के बिना उनकी देखभाल और शांत स्वभाव के लिए प्रशंसा करते हैं। भारत महान किंवदंतियों का देश है, जहां महान लोगों ने जन्म लिया और बहुत सारे सामाजिक कार्य किए। वे अभी भी हमारे लिए प्रेरक व्यक्तित्व हैं।
भारत एक ऐसी भूमि है जहां महात्मा गांधी ने जन्म लिया था और अहिंसा की एक महान संस्कृति दी थी। उन्होंने हमेशा हमें बताया कि अगर आप वास्तव में किसी चीज में बदलाव लाना चाहते हैं तो उनसे विनम्रता से बात करें।
उन्होंने हमें बताया कि इस धरती पर हर लोग प्यार, सम्मान, देखभाल और सम्मान के भूखे हैं। यदि आप उन सभी को देते हैं, तो निश्चित रूप से वे आपका अनुसरण करेंगे।

गांधी जी हमेशा अहिंसा में विश्वास करते थे और वास्तव में वे ब्रिटिश शासन से भारत को आजादी दिलाने में एक दिन सफल हुए।

Page No. :
Date : / /

नाम - रिन्चा कुमारी
वर्ग - एकादश
स्कूल नाम - ज० न० वि० ध्योरासिया / कैमूर
रोल - 1135

भारत एक संस्कृतिक विविधताओं का देश है

हमारा देश भारत एक संस्कृतिक विविधताओं से भरा देश है। विविधताओं से तात्पर्य विभिन्नता से है, असमानता से नहीं जब हम यह कहते हैं कि भारत एक विविधताओं वाला देश है, तो इसका मतलब विभिन्न प्रकार के समुदायों से है, भारत में विभिन्न प्रकार के समुदायों के बीच संस्कृतिक की विभिन्नता भाषा, धर्म, कुल, जाति, पथ इत्यादि के रूप में प्रतिबिंबित होती

आपलोग ये भी सुने ही होंगे

अनेकता में एकता ही है।
भारत की पहचान ।।
हिन्दु मुस्लिम, सिक्ख और ।।
ईसाई हैं यहाँ की शान ।।

भारत देश की संस्कृति विविधता भरी है। यहाँ हिन्दु सिक्ख तथा ईसाई आदि विभिन्न धर्मों के लोग निवास करते हैं और सबके रीति - रिवाज, परम्पराएँ अलग - अलग होते हुए भी सभी भारतीय कहलाते हैं। हैं।

भारत में तरह - तरह की बोलियों वाले लोग रहते हैं लेकिन प्रेम और दया की भावना सब की एक ही है। हमारे देश की महान् संस्कृति में परोपकार और परमार्थ को सबसे ऊँचा स्थान दिया गया है। एक दूसरे का

Date : / /

सम्मान करना तथा एक-दूसरे की भावनाओं का आदर करना - यही हमारे देश की संस्कृति सिखलाती है।

वेद, उपनिषद और षड्दर्शन भारतीय संस्कृति की अनमोल धरोहर हैं। हिन्दी के अनेक लेखक भी ऐसे हुए हैं जिन्होंने अलग - अलग भाषा में साहित्य की रचना की। इनमें मुंशी प्रेमचन्द, उपेन्द्रनाथ अश्क, कृष्णचन्दर तथा सुदर्शन आदि प्रमुख लेखक हैं

इसी तरह यहाँ अलग - अलग धर्मों में अलग - अलग त्योहार भी होता है जैसे हिन्दु धर्म में होली, दीवाली, रक्षाबन्धन आदि सभी त्योहारों के धूमधाम के साथ मनाया जाता है इसी तरह मुस्लिम धर्म में ईद, बड़ा दिन वैशाखी आदि अन्य धर्मों के त्योहारों को भी खूब उमंग उत्साह से मनाया जाता है। भारत देश की संस्कृतिक परम्परा अनादि एवं सनातन है।

'यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत :।।
अभ्युत्थानम् धर्मस्य तदात्मनं सृजाम्यहम् ।।

इसी तरह अनेक विविधता होते हुए भी हमारे देश में एकता बनी हुई है, और साथ - ही साथ दुनिया के अनेक देशों की संस्कृति पैदा हुई और मिट गई। काल के थपेड़ों ने अनेक संस्कृतियों को धूल मिट्टी में मिला दिया लेकिन हमारे देश कि संस्कृति अभी भी अपना सीना ताने गर्व के साथ खड़ी है।

विविधता में एकता हमारी पहचान है।
तभी तो मेरा भारत महान है।